न्यूज डायरी

अमेरिका ने आसियान नेताओं की मार्च में होने वाली बैठक स्थगित की

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिका ने मार्च के मध्य में लॉस वेगास में होने वाली दक्षिणपूर्वी एशियाई देशों के नेताओं की बैठक कोरोना वायरस का संक्रमण फैलने के मद्देनजर स्थगित कर दी है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 10 सदस्यीय आसियान के नेताओं को इस साल अमेरिका में बैठक के लिए आमंत्रित किया था। वह थाइलैंड में पिछले साल हुई आसियान की वार्षिक बैठक में शामिल नहीं हो पाए थे। ट्रंप प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अमेरिका ने लॉस वेगास की बैठक को स्थगित करने का 'मुश्किल फैसला' करने से पहले अपने आसियान साझेदारों के साथ विचार–विमर्श किया। अधिकारी ने अपनी पहचान गोपनीय रखने की शर्त पर यह जानकारी दी क्योंकि वाइट हाउस ने बैठक स्थगित किए जाने के संबंध में अभी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है।

भारतीय मूल के समलैंगिक प्रेमी की लाश फेंकने वाले व्यक्ति को छह साल की जेल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। ब्रिटेन की एक अदालत ने नशीली दवाओं की तस्करी करने और अपने भारतीय मूल के समलैंगिक प्रेमी की लाश फेंकने के दोषी को छह साल कैद की सजा सुनायी है। आरोपी ने पिछले साल पुलिस को सूचित किए बिना अपने समलैंगिक प्रेमी हिरन चौहान के शव का अंतिम संस्कार किए बिना फेंक दिया था। आरोपी नील कक्सन ने नशीली दवाओं के प्रभाव में हिरन चौहान से शारीरिक संबंध बनाने के बाद उसका शव पार्क में दफना दिया था। कुछ स्कूली बच्चों को हिरन चौहान का शव पार्क में मिला। न्यायाधीश एलन कॉनराड ने कक्सन को बताया कि मृत्यु के बाद शव को छिपाने से विशेषज्ञों के लिए इस संदिग्ध मौत के मामले में मौत कारण पता करना असंभव हो गया है।मैनचेस्टर क्राउन अदालत में शुक्रवार को सुनवाई के दौरान उन्होंने कहा, "स्वयं को बचाने के लिए और पुलिस की जांच को बाधित करने के लिए उसने शव फेंकने की योजना बनायी।"

चीन की अर्थव्यवस्था को कोरोना का डंक, मैन्युफैक्चरिंग में रेकॉर्ड गिरावट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बीजिंग। कोरोना वायरस के संक्रमण से चीन की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा असर अब साफ दिखने लगा है। शनिवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, फरवरी में चीन में मैन्युफैक्चरिंग ऐक्टिविटी रेकॉर्ड निचले स्तर पर आ गई। ताजा महीनवारी सर्वे के अनुसार, चीन का परचेज मैनेजर इंडेक्स फरवरी में गिर कर 35.7 पर आ गया। इस सूचकांक का 50 से नीचे रहना यह बताता है कि कारखाना उत्पादन घट रहा है। यदि सूचकांक 50 से ऊपर हो तो उसे उत्पादन में वृद्धि का संकेत माना जाता है। गैर–मैन्युफैक्चरिंग गतिविधियों का सूचकांक फरवरी में 29.6 पर आ गया। यह जनवरी में 54.1 पर रहा था। चीन का मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई जनवरी में भी 50 से नीचे था। चीन ने 2005 से इन आंकड़ों को जमा करना शुरू किया है।

पाक अपने नागरिकों की वापसी के लिए खोलेगा ताफ्तान सीमा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तानी अधिकारियों ने दरियादिली दिखाते हुए ईरान में फंसे अपने करीब 340 नागरिकों की वापसी के लिए अस्थायी रूप से ताफ्तान सीमा को खोलने का फैसला किया है। समाचार एजेंसी आइएएनएस के मुताबिक, ईरान में कोरोना वायरस से 34 लोगों की मौत हो गई है जबकि 106 नए मामले सामने आए हैं। यहां तक कि ईरान की उपराष्ट्रपति मासूमेह एब्तेकार भी घातक कोरोना वायरस से संक्रमित हो गई हैं। दूसरी ओर समाचार एजेंसी एएनआइ ने बताया है कि ईरान में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों को देखते हुए भारत ने भी वहां फंसे अपने नागरिकों को निकालने की कोशिशें शुरू कर दी है। ईरान में भारत के राजदूत गद्दाम धर्मेंद्र ने शनिवार को बताया कि दूतावास के अधिकारियों ने ईरान में फंसे भारतीयों को निकालने के लिए काम शुरू कर दिया है।

ब्रिटेन, सोवियत संघ, अब अमेरिका, क्यों महाशक्तियों की कब्रगाह बना अफगानिस्तान

शांति समझौता अमेरिका और आतंकवादी संगठन तालिबान दोहा में शांति समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। दुनिया की सबसे लंबी चली जंग का खात्मा होने जा रहा है। सुपर पावर अमेरिका और आतंकवादी संगठन तालिबान कतर की राजधानी दोहा में आज शांति समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे। पिछले 18 साल से जारी विश्व के सबसे महंगे और खतरनाक जंग में 10000 लोग मारे गए हैं और लाखों लोगों को विस्थापित होना पड़ा है। पिछली तीन सदी में ऐसा तीसरी बार हो रहा है जबकि किसी महाशक्ति को अफगानिस्तान छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा है। आइए जानते हैं कि तालिबान के साथ शांति समझौता अमेरिका की मजबूरी है या उसकी नई रणनीति...तालिबान के साथ होने वाली इस बैठक में हिस्सा लेने के लिए अफगानिस्तान, अमेरिका, भारत, पाकिस्तान समेत संयुक्त राष्ट्र के अन्य सदस्य देशों के प्रतिनिधि दोहा पहुंच गए हैं। अफगानिस्तान में शांति और सुलह प्रक्रिया का भारत एक अहम पक्षकार है। कतर में भारत के राजदूत पी. कुमारन इस समारोह में हिस्सा लेंगे। यह पहला मौका होगा जब भारत तालिबान से जुड़े किसी मामले में आधिकारिक तौर पर शामिल होगा। बताया जा रहा है कि इस डील पर तालिबान का सहसंस्थापक मुल्ला अब्दुल बरदार हस्ताक्षर करेगा। कार्यक्रम में अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोंपियो हिस्सा लेंगे।

तीन सदी में तीसरी महाशक्ति का पलायनः बताया जा रहा है कि इस शांति समझौते के बाद अमेरिका अफगानिस्थान से लड़ाकू भूमिका से हट जाएगा लेकिन उसके सैन्य अड्डे अफगानिस्तान में बने रहेंगे। पिछली तीन सदी में ऐसा तीसरी बार हो रहा है जबकि किसी महाशक्ति को अफगानिस्तान छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा है। 18वीं शताब्दी जिस देश का सूरज अस्त नहीं होता था, ऐसी महाशक्ति ब्रिटेन को 18वीं शताब्दी में अफगानिस्तान से हटना पड़ा। इसके बाद 19 सदी में महाशक्ति सोवियत संघ ने वर्ष 1979 में अफगानिस्थान में प्रवेश किया लेकिन उसे काफी नुकसान होने के बाद फरवरी 1989 में अफगानिस्तान से भागना पड़ गया। इसके बाद अल कायदा के आतंकियों ने 11 सितंबर 2001 को 4 हवाई जहाजों को हाइजैक कर अमेरिका के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर की इमारत और पेंटागन पर हमला किया था। इस आतंकी हमले में करीब 3000 लोगों की मौत हो गई।

अफगानिस्तान में हमला कर फंसा अमेरिकाः अलकायदा के हमले का बदला लेने के लिए अमेरिका और उसके सहयोगी नाटो देशों ने 7 अक्ष्टूबर 2001 को अफगानिस्थान में हमला कर दिया। भीषण युद्ध और बमबारी के बाद अमेरिका और नाटो देश अफगानिस्तान में सत्ता बदलाव में सफल हो गए लेकिन उन्हें आंशिक सफलता ही हाथ लगी और इसके लिए भी उन्हें बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। इस समय अफगानिस्तान में 13 हजार अमेरिकी सैनिक हैं।

सीरिया के हमले में तुर्की के 33 सैनिकों की मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

अंकारा। सीरिया के इदलिब प्रांत में हवाई हमले में तुर्की के 33 सैनिक मारे जाने के बाद तुर्की ने जवाबी कार्रवाई में सीरिया के 45 सैनिकों को मारने का दावा किया है। इन एयर स्ट्राइक की वजह से रूस और तुर्की में तनाव चरम पर पहुंच गया है।

दरअसल, सीरिया में बशर–अल–असद सरकार को रूस का समर्थन हासिल है और वह सीरियाई राष्ट्रपति के विरोधी लड़ाकों के खिलाफ अभियान में शामिल हैं। उधर, तुर्की ने तनाव कम करने के लिए इस हमले का आरोप असद पर लगाया है और मॉस्को से तनाव कम करने के लिए बातचीत शुरू कर दी है।

इस बीच, तुर्की ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इदलिब को नो फ्लाई जोन घोषित करने की मांग की है। बता दें कि यहां मौजूद लड़ाकों को तुर्की का समर्थन हासिल है और असद के लिए यही सिरदर्द का कारण है। असद को पूरे सीरिया पर नियंत्रण के लिए इस इलाके पर कब्जा करना जरूरी है, लेकिन तुर्की के कारण ऐसा नहीं हो पा रहा है। गुरुवार को तुर्की के समर्थन वाले लड़ाकों ने फिर से हमला किया था। तनाव बढ़ते देख रूस ने कहा है कि उसके दो जंगी जहाज इस्तांबुल के नजदीक है।

सीरिया में नाटो–रूस के बीच जंग जैसे हालात

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) अंकारा। सीरिया में तुर्की के 33 सैनिकों के हवाई हमले में मारे जाने के बाद नाटो और उसके धुर विरोधी देश रूस के बीच जंग जैसे हालात बनते जा रहे हैं। नाटो देशों ने अपने सहयोगी तुर्की के सैनिकों की हत्या को गंभीरता से लिया है और अब वे अंकारा के साथ कंधे से कंधा मिलाते दिख रहे हैं। नाटो अब तुर्की के एयर डिफेंस सिस्टम को मजबूत करने जा रहा है। इस बीच तुर्की के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन ने धमकी दी है कि सीरिया सरकार को तुर्की के सैनिकों की हत्या की 'कीमत चुकानी' होगी।

महातिर की नहीं चली, मलेशिया के नए प्रधानमंत्री होंगे मोहिउद्दीन यासीन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

एक हफ्ते तक चले सियासी संकट के खत्म होने की संभावना

कुआलालंपुर। कश्मीर और नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) को लेकर बयान देकर भारत से दुश्मनी मोल लेने वाले पूर्व प्रधानमंत्री महातिर मोहम्मद को अपने ही देश में करारा झटका लगा है। उनकी लगातार कोशिश के बावजूद उन्हें नया प्रधानमंत्री नहीं चुना गया। राजभवन ने मलेशिया के पूर्व गृह मंत्री मोहिउद्दीन यासीन को नया प्रधानमंत्री बनाने का फैसला लिया है। शाही अधिकारियों ने बताया कि मोहिउद्दीन यासीन रविवार को प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे।

प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने वाले महातिर मोहम्मद लगातार इस पद को लेकर दावेदारी बरकरार रखी थी। उन्होंने कहा कि मेरे पास प्रधानमंत्री पद के लिए पर्याप्त संख्या है।

हालांकि, मलेशिया के राजा ने महातिर मोहम्मद की सत्ता में वापसी की कोशिशों पर पानी फेरते हुए नए प्रधानमंत्री के तौर पर मोहिउद्दीन यासीन को नियुक्त किया। बीते सोमवार को महातिर मोहम्मद ने प्रधानमंत्री के पद से अपना त्यागपत्र दिया था। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से इस बात की जानकारी दी गई थी।

सबसे उम्रदराज नेता, 94 वर्षीय महातिर ने अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों की ओर से उनकी सरकार गिराने और प्रधानमंत्री पद के दावेदार बनने की कोशिश कर रहे अनवर इब्राहिम को पद भार संभालने से रोकने की कोशिशों के बाद ये फैसला लिया गया था। साथ ही महातिर लगातार प्रधानमंत्री पद पर वापसी की कवायद में जुटे रहे लेकिन उन्हें इसमें कामयाबी नहीं मिली।

इससे पहले महातिर ने जिस तरह से कश्मीर और नागरिकता संशोधन कानून को लेकर बयान दिया उसका भारत ने विरोध दर्ज कराया था। भारत ने स्पष्ट कहा था कि कश्मीर और सीएए का मुद्दा, दोनों उसके आंतरिक मसले हैं और इन पर बोलने का मलयेशियाई प्रधानमंत्री को कोई अधिकार नहीं है।

पाक में रेलवे क्रॉसिंग पर बस की ट्रेन से टक्कर में 20 की मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कराची। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में एक मानव रहित रेलवे क्रॉसिंग को पार करने की कोशिश करते वक्त एक यात्री बस के एक ट्रेन की चपेट में आ जाने से कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई। हादसे में कई अन्य घायल हुए हैं। दुर्घटना सुक्कुर जिले के रोहरी इलाके में घटी जब कराची से सरगोधा जा रही बस खुली मानवरहित रेलवे क्रॉसिंग को पार कर रही थी और पाकिस्तान एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गई। सुक्कुर के कमिश्नर शफीक अहमद महेसर ने पुष्टि की कि हादसे में कम से कम 20 लोगों की मौत हुई है। उन्होंने कहा कि मरने वालों का आंकड़ा अभी और बढ़ सकता है क्योंकि कई घायलों की हालत नाजुक है। महेसर ने बताया, श्हमने कम से कम 60 घायलों को रोहरी और सुक्कुर के अस्पतालों में भर्ती कराया है। टक्कर इतनी भयानक थी कि बस के 3 टुकड़े हो गए। सुक्कुर के पुलिस अधिकारी जमील अहमद ने बताया, यह भीषण हादसा था। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस 3 टुकड़ों में बंट गई। उन्होंने बताया कि ट्रेन बस को करीब 150 से 200 फीट घसीटती चली गई।